दौलत पाय ..... दौलत ।।

धन-संपत्ति पाकर स्वप्न में भी अभिमान यानी घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि संपत्ति नदी के जल के समान सदा चलायमान रहती है। वह उपाय करने पर भी नहीं रुक पाती है। संपत्ति उपाय करने पर एक जगह नहीं ठहरती है। अतः उसे दूसरों की भलाई में व्यय करके यश को प्राप्त कीजिए। सुंदर वाणी बोलकर सभी से नम्रता ही दिखाइए। कवि गिरधर जी कहते हैं कि इस संसार में सभी घट-तौलत अर्थात् शाब्दिक अर्थ तो कम तौलने का है किंतु कवि का भाव है कि वास्तविकता, संपत्ति के विषय में कोई नहीं समझता है। संपत्ति तो अतिथि की भाँति है; जैसे- अतिथि दो-चार दिन रुककर चला जाता है, उसी प्रकार संपत्ति भी थोड़े दिनों की ही होती है। तात्पर्य है कि धन-दौलत का सदुपयोग करना चाहिए।

गुन के ..... गुन के।।

गुणों को चाहने वाले सहस्त्र नर अर्थात् सभी लोग होते हैं किंतु बिना गुणों के कोई चाहने वाला नहीं होता है। कवि उदाहरण देकर कह रहा है कि जैसे कौआ तथा कोयल दोनों की आवाज़ सभी सुनते हैं। किंतु कोयल सभी को अच्छी लगती है। यद्यपि दोनों का रंग एक जैसा होता है। किंतु कर्कश आवाज़ के कारण कौआ अपवित्र अर्थात् तिरस्कृत होता है। गिरधर कवि कहते हैं कि ध्यान से यह बात सुनो कि बिना गुणों के कोई भी नहीं चाहने वाला है। किंतु गुणों को चाहने वाले सभी हैं। तात्पर्य यह है कि इस संसार में गुणी व्यक्ति का ही आदर होता है।

इसके बाद प्रश्नोत्तर पद्धति से और अधिक भावों को स्पष्ट करके रसानुभूति करा दीजिए।

अभ्यास

पाठ कौशल (रचनात्मक मूल्यांकन)

सोचो और बताओ- (मौखिक)

प्र०(क) कैसे लोगों को समाज में हँसी का पात्र बनना पड़ता है?

उ० जो लोग बिना सोचे-समझे कार्य करते हैं, उन्हें समाज में हँसी का पात्र बनना पड़ता है।

प्र०(ख) अपना काम लोग अपने आप कैसे बिगाड़ लेते हैं?

उ० बिना सोचे-समझे काम करने वाले लोग अपना काम बिगाड़ लेते हैं।

प्र०(ग) दौलत सबकी परीक्षा कैसे लेती है?

उ० चंचल जल की तरह चलायमान होकर दौलत सबकी परीक्षा लेती है।

प्र०(घ) गुणग्राही लोगों की क्या विशेषता होती है?

उ० गुणग्राही लोगों की यह विशेषता होती है कि उनकी सभी इज्ज़त करते हैं।

Scanned with CamScanner

प्र०(ङ) हमें अपने अंदर कैसे गुणों का विकास करना चाहिए?

उ० हमें अपने अंदर श्रेष्ठ गुणों का विकास करना चाहिए।

संकलित मूल्यांकन- (लिखित)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्र०(क) बिना विचारे कार्य करने से क्या-क्या हानियाँ हो सकती हैं?

उ० बिना विचारे काम करने से एक तो बाद में पछताना पड़ता है, दूसरे काम बिगड़ जाता है, तीसरे समाज में हँसी होती है, चौथे मन में शांति नहीं मिलती है, पाँचवें खाना-पीना, मान-सम्मान, आमोद-प्रमोद कुछ भी अच्छा नहीं लगता है। छठे यह दुख भगाए नहीं भागता है और सातवें मन में सदैव खटकता रहता है कि बिना सोचे-विचारे काम क्यों किया था?

प्र०(ख) दौलत पाकर अभिमान करना उचित क्यों नहीं है?

उ० दौलत पाकर अभिमान करना उचित इसलिए नहीं है क्योंकि दौलत चंचल होती है, सदा एक के पास नहीं रहती है।

प्र०(ग) धन-दौलत को मेहमान की संज्ञा क्यों दी गई है?

उ० धन-दौलत को मेहमान की संज्ञा इसलिए दी गई है क्योंकि जिस प्रकार मेहमान कुछ समय तक ही रुकता है, उसी तरह दौलत भी कुछ समय तक ही रहती है।

प्र०(घ) कोयल सबको अच्छी क्यों लगती है?

उ० कोयल सबको अच्छी इसलिए लगती है क्योंकि उसकी बोली प्यारी होती है।

प्र०(ङ) काग और कोकिला में क्या अंतर होता है?

उ० काग और कोकिला में बोली का अंतर होता है। कोयल की बोली मीठी होती है तथा कौए की बोली कर्कश होती है।

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

उ० (क) हमें कोई भी कार्य करने से पहले भली-भाँति <u>विचार</u> [✓] कर लेना चाहिए।

(ख) हमें सभी के साथ <u>विनम्र</u> [✓] व्यवहार करना चाहिए।

(ग) मेहमान की तरह <u>दौलत</u> [✓] आनी-जानी होती है।

(घ) गुणवान व्यक्ति का सभी <u>आदर</u> [✓] करते हैं।

(ङ) कौआ और कोयल दोनों का रंग एक होने के बावज़ूद लोग <u>कोयल</u> [✓] को पसंद करते हैं।

Scanned with CamScanner

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उ० (क) बिना विचारे कार्य करने वाले पछताते हैं।

(ख) दौलत प्राप्त करके हमें अभिमान नहीं करना चाहिए।

(ग) हमारी वाणी में हमेशा मिठास होनी चाहिए।

(घ) हमें गुणी होना चाहिए।

(ङ) दूसरों के गुणों का आदर करके उन्हें अपनाना चाहिए।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

उ० शब्द	वाक्य
अभिमान	हमें धन-दौलत का अभिमान नहीं होना चाहिए।
दौलत	दौलत का कभी घमंड नहीं होना चाहिए।
ग्राहक	गुणों के सभी ग्राहक होते हैं।
चंचल	धन बहते पानी की तरह चंचल होता है।

भाषा कौशल

प्र० निम्नलिखित शब्दों में संज्ञा रूप छाँटते हुए उनके नाम बताओ-

उ० शब्द	नाम संज्ञा का	शब्द	नाम संज्ञा का
गिरिधर	व्यक्तिवाचक	कवि	जातिवाचक
जग	जातिवाचक	दौलत	द्रव्यवाचक
अभिमान	भाववाचक	पाहुन	जातिवाचक
गुन	भाववाचक	ग्राहक	जातिवाचक
कागा	जातिवाचक	कोकिला	जातिवाचक
ठाकुर	जाविवाचक	नर	जातिवाचक

रचनात्मक कौशल

1. बिना विचारे जो ..... बिना विचारे।

पूरी कुंडलियाँ कंठस्थ करके कक्षा में सुनाओ।

उ० सभी विद्यार्थी कंठस्थ करके कक्षा में सुनाएँगे।

2. दौलत पाय ..... दौलत।

इस कुंडली का भावार्थ लिखो-

उ० **भावार्थ-** व्यक्ति को संपत्ति पाकर कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए क्योंकि धन-संपत्ति वहते पानी की भाँति चलायमान है। जहाँ तक हो सके धन को अपने उपयोग के बाद दूसरे

Scanned with CamScanner

गरीब, निर्धन, असहाय लोगों की मदद के लिए उपयोग करना चाहिए। इससे धन का सदुपयोग तो होता ही है, व्यक्ति यश अर्जित करता है। धन तो अतिथि के समान है। जैसे अतिथि कहीं अधिक नहीं ठहरता वैसे ही धन भी किसी के पास अधिक दिनों तक नहीं रहता इसलिए धन पाकर अभिमान नहीं करना चाहिए वरन् परोपकार के लिए धन का सदुपयोग करना चाहिए।

3. 'गुण' के बिना व्यक्ति सुशोभित नहीं होगा।' इस विषय पर कक्षा में चर्चा करो और इसी विषय पर एक लघु निबंध लिखो।

उ० निबंध- इस संसार में उसी व्यक्ति का सम्मान होता है जिसके अंदर कोई गुण होता है। गुणों के बिना मनुष्य की पहचान नहीं होती है। कहा गया है-

गुणाः पूजा स्थानं गुणिषु न च लिगं न च वयः।।

अर्थात् गुणी व्यक्तियों में गुणों की पूजा होती है, अवस्था तथा लिंग नहीं देखा जाता। यही कारण है कि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती आदि अल्पायु में ही अपने गुणों से पूरे विश्व में विख्यात हो गए।

महात्मा गाँधी अपने गुणों के कारण ही आज भी पूरे विश्व में पूजे जाते हैं।

पं० जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गाँधी आदि अपने नैतिक गुणों के कारण ही आज याद किए जाते हैं।

वावा साहव डॉ० अंबेडकर को लोग उनके मानवीय गुणों के कारण सम्मान देते हैं।

महान वैज्ञानिक सर सी०वी० रमन, प्रो० बीरबल साहनी, डॉ० होमी जहाँगीर भाभा, जगदीश चंद्र वसु आदि अपने गुणों के कारण ही विश्व में विख्यात हैं।

गुण किसी भी क्षेत्र में हो, उनकी पूजा होती है। जैसे- खेल के क्षेत्र में हॉकी के जादूगर ध्यानचंद, कपिलदेव, सुनील गावस्कर, विश्वनाथ आदि प्रसिद्ध हैं।

शहनाई के जादूगर उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का नाम आता है। सुश्री लता मंगेशकर तथा आशा भोंसले ने अपने गुणों के कारण ही ख्याति पाई है।

अतः स्पष्ट है कि व्यक्ति की शोभा उसके गुणों से ही होती है। यदि हमें देश-विदेश में यश अर्जित करना है तो अपने अंदर गुणों का विकास करना होगा।

वास्तव में, गुण ही व्यक्ति की वास्तविक शोभा है।

Scanned with CamScanner